an>

Title: Regarding inclusion of Penganga river in the Wainganga-Nalganga river linking Survey

श्री प्रतापराव जाधव (बुलढाणा): नदी जोड़ो परियोजना के अंतर्गत देश के जिन क्षेत्रों की नदियों में अधिक पानी है और जिनमें कम पानी है उनको जोड़ने का कार्य विगत काफी लंबे समय से चल रहा है । जलशक्ति मंत्रालय भारत सरकार के माध्यम से नदी-जोड़ो प्रकल्प का सर्वेक्षण चल रहा है । उसमें वैनगंगा से नलगंगा के सर्वेक्षण की भी मंजूरी दी गई है ।

यह बात बताते हुए मुझे अत्यंत खेद है कि महाराष्ट्र राज्य में विदर्भ क्षेत्र के बुलढाना, यवतमाल, वाशिम, अमरावती, अकोला, वर्धा इत्यादि जिले 'किसानों की आत्महत्या' से ग्रस्त होने के नाम से पूरे देश और दुनिया में जाने जाते हैं । यह ज़िले सूखे से बुरी तरह प्रभावित रहते हैं, और सारी खेती की उपज पूरी तरह बारिश पर ही निर्भर है और सिचाई का कोई दूसरा साधन उपलब्ध नहीं है । जिस कारण किसान जिनकी जीविका कृषि पर आधारित है, फसल की बरबादी के कारण बुरी तरह से आर्थिक जंजाल में फंस जाते हैं तथा उनके द्वारा की जानेवाली आत्महत्या का प्रमुख कारण भी यही है और सरकार के सर्वेक्षण में भी इसी बात की पुष्टि की गई है ।

मेरा सुझाव है कि किसानों के हितार्थ वैनगंगा से नलगंगा को जोड़ने वाले इस सर्वेक्षण में अगर पैनगंगा को भी जोड़ दिया जाता है तो उससे बुलढाणा, वाशिम यवतमाल और वर्धा के किसानों को भी फायदा होगा । महाराष्ट्र में विदर्भ के कई सूखाग्रस्त जिलों में सूखे की समस्या से मुक्ति मिलेगी ।